ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

1- 2 January 2025

2024 में इंटरनेट शटडाउन में कमी

संदर्भ: वर्ष 2024 में भारत में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 60 मामले सामने आए हैं, जोकि पिछले आठ वर्षों का न्यूनतम आंकड़ा है। यह कमी संभवत: नागरिक अशांति या सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के समय इंटरनेट सेवाओं को नियंत्रित करने के राज्य के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाती है।

2024 में शटडाउन में कमी के पीछे का कारण:

- जम्मू-कश्मीर और मणिपुर जैसे राज्यों में ऐतिहासिक रूप से रही अशांति के कारण इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में शटडाउन देखे गए हैं। 2024 में इन क्षेत्रों में शटडाउन में उल्लेखनीय कमी आई है, जो इस कमी का एक प्रमुख कारण हो सकता है।
- हालांकि, हरियाणा के अंबाला में किसान आंदोलन और मणिपुर के कुछ हिस्सों में अस्थायी शटडाउन अभी भी हुए, जोकि दर्शाता है कि कानून-व्यवस्था के मुद्दे अभी भी इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने का एक कारण बने हुए हैं।

भारत में सबसे ज्यादा बार इंटरनेट शटडाउन कब हुआ?

- 2020 में अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद जम्मू-कश्मीर में व्यापक अशांति के कारण 132 बार इंटरनेट शटडाउन हुआ था, जोकि अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। यह दर्शाता है कि राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताएं इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने का एक प्रमुख कारण हो सकती हैं।

भारत में इंटरनेट शटडाउन के प्रावधान:

- भारत में दूरसंचार सेवाओं, विशेषकर इंटरनेट सेवाओं के निलंबन की शक्ति भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 में निहित है। यह अधिनियम केंद्र सरकार को दूरसंचार सेवाओं को विनियमित करने और लाइसेंस जारी करने का अधिकार प्रदान करता है।
- दूरसंचार सेवाओं का अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकाल या सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 इस अधिनियम के तहत बनाया गया एक महत्वपूर्ण नियम है जो विशेष रूप से सार्वजनिक आपातकाल या सुरक्षा चिंताओं के दौरान इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को नियंत्रित करता है। ये नियम निम्नलिखित प्रमुख प्रावधान निर्धारित करते हैं:
  - **निलंबन की अवधि:** इंटरनेट सेवाओं को एक बार में अधिकतम 15 दिनों के लिए निलंबित किया जा सकता है।
  - **आदेश जारी करने का अधिकार:** केवल संघ या राज्य के गृह सचिव ही निलंबन के आदेश जारी कर सकते हैं।
  - **समीक्षा तंत्र:** एक स्वतंत्र समीक्षा समिति आदेशों की समीक्षा करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे आवश्यक और आनुपातिक हैं।

अनुराधा मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला भसीन बनाम भारत संघ (2020)

- अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ (2020) मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट शटडाउन पर महत्वपूर्ण निर्णय दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का एक अभिन्न अंग है। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि:
  - **केवल अस्थायी निलंबन:** इंटरनेट शटडाउन अस्थायी होना चाहिए और आनुपातिकता के सिद्धांत का पालन करना चाहिए।
  - **न्यायिक समीक्षा:** शटडाउन आदेश न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अत्यधिक या असंगत नहीं हैं।

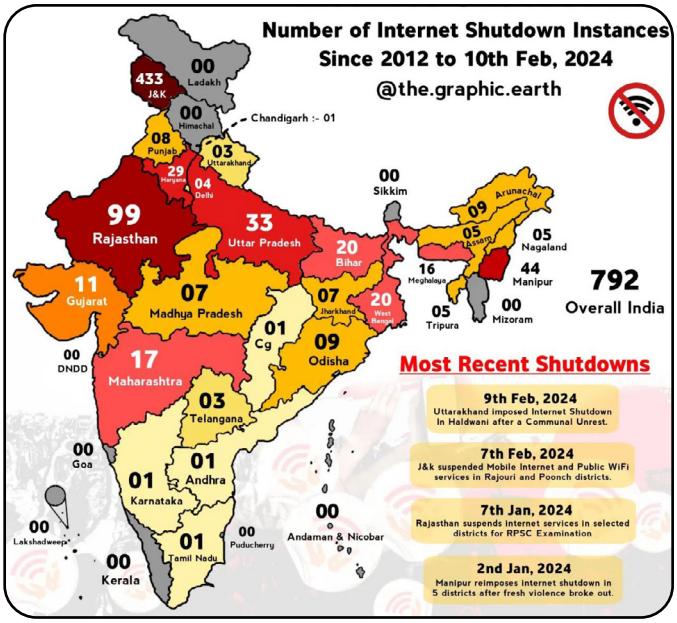

इंटरनेट शटडाउन का प्रभाव:

- शटडाउन से महत्वपूर्ण आर्थिक नुकसान होता है, जिसमें जनवरी और जून 2023 के बीच 118 मिलियन डॉलर के विदेशी निवेश का नुकसान शामिल है। एक दिन के शटडाउन से भी नौकरी का नुकसान हो सकता है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं।
- इंटरनेट शटडाउन से सूचना और संचार तक पहुंच प्रतिबंधित हो जाती है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के अनुसार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।
- शटडाउन से ऑनलाइन शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी आवश्यक सेवाएं बाधित होती हैं, जिससे छात्र, शिक्षक और मरीज गंभीर रूप से प्रभावित

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

होते हैं, विशेष रूप से शटडाउन से प्रभावित क्षेत्रों में।

एच. पाइलोरी

सन्दर्भ: हाल ही में शोधकर्ताओं ने CRISPR तकनीक का उपयोग करते हुए हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (H- pylori) नामक जीवाणु और इसके एंटीबायोटिक प्रतिरोध को पहचानने की एक नई विधि विकसित की है। यह नई विधि हेलिकोबैक्टर पाइलोरी संक्रमण का तेजी से और सटीक निदान करने में सक्षम है।

हेलिकोबैक्टर पाइलोरी क्या है?

- हेलिकोबैक्टर पाइलोरी एक जीवाणु है जो विश्व की लगभग 43% आबादी को संक्रमित करता है। यह जीवाणु पेट की आंतरिक परत में रहता है और लंबे समय तक संक्रमण का कारण बन सकता है।
- H- pylori संक्रमण से पेप्टिक अल्सर, गैस्ट्राइटिस, अपच और गंभीर मामलों में पेट के कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, इस संक्रमण का समय पर पता लगाना और उपचार करना बेहद जरूरी है।

उत्परिवर्तनों का पता लगाना क्यों महत्वपूर्ण है?

- एच. पाइलोरी के 23S राइबोसोमल आरएनए जीन में उत्परिवर्तन के कारण क्लैरिथ्रोमाइसिन के प्रति प्रतिरोध विकसित हो जाता है, जिससे एंटीबायोटिक चिकित्सा की प्रभावकारिता कम हो जाती है। उत्परिवर्तनों का पता लगाकर, लक्षित एंटीबायोटिक चिकित्सा की योजना बनाई जा सकती है, जिससे उपचार परिणामों में सुधार होता है और जटिलताओं का जोखिम कम होता है।

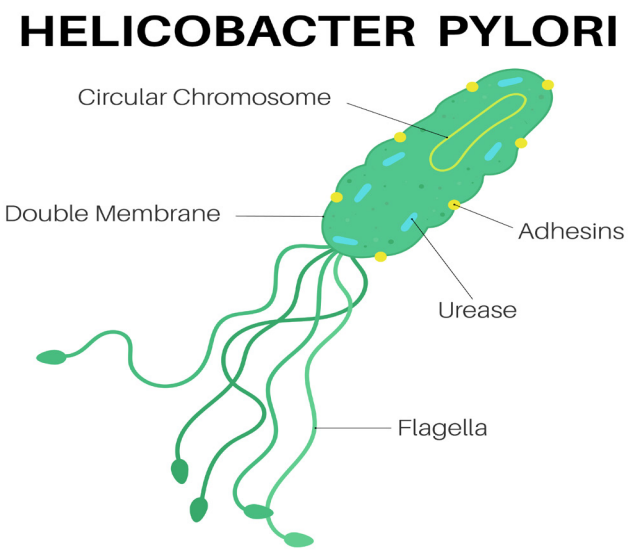

नई निदान पद्धति कैसे काम करती है?

- हाल ही में विकसित तकनीक, हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (H- pylori) जीवाणु संक्रमण का सटीक और त्वरित निदान करने में सक्षम है। इस तकनीक में en31-FnCas9 नामक एक CRISPR प्रोटीन का उपयोग किया जाता है, जोकि हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में एंटीबायोटिक प्रतिरोध उत्पन्न करने वाले विशिष्ट उत्परिवर्तनों को लक्षित करता है।
- इस CRISPR प्रोटीन को पार्श्व प्रवाह-आधारित परीक्षण (FELUDA) तकनीक के साथ जोड़कर एक ऐसा परीक्षण विकसित किया गया है जो न केवल तेजी से परिणाम देता है बल्कि इसे समझना भी आसान है।

दूरदराज के क्षेत्रों में संभावित प्रभाव:

- यह लागत प्रभावी, आसान निदान पद्धति ग्रामीण या वंचित क्षेत्रों में उपयोग के लिए आदर्श है, जहाँ उन्नत निदान उपकरणों तक पहुँच सीमित है। त्वरित, सटीक परिणाम प्रदान करके, यह स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को उपचार के बारे में सूचित निर्णय लेने, एच. पाइलोरी संक्रमण वाले रोगियों के लिए परिणामों में सुधार करने और गैस्ट्रिक कैंसर जैसी जटिलताओं को रोकने में मदद कर सकता है।

इंड-ऑस ईसीटीए: दो वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि

सन्दर्भ: हाल ही में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंड-ऑस ईसीटीए) ने अपनी दूसरी वर्षगांठ मनाई है। यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इंड-ऑस ईसीटीए ने दोनों देशों में एमएसएमई, व्यवसायों और रोजगार के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते के बारे में:

- भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंड-ऑस ईसीटीए) एक ऐसा द्विपक्षीय व्यापार समझौता है जिसका उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाना है। इस समझौते पर 2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए गए थे और यह 29 दिसंबर, 2022 से लागू हुआ। यह समझौता वस्तुओं, सेवाओं और निवेशों के व्यापार सहित कई क्षेत्रों को कवर करता है।
- यह समझौता दोनों देशों के उत्पादों के लिए एक-दूसरे के बाजार में पहुंच प्रदान करता है, व्यापार बाधाओं को कम करता है और दोनों देशों के बीच आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और व्यापार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए का दो वर्षों में प्रदर्शन कैसा रहा है?

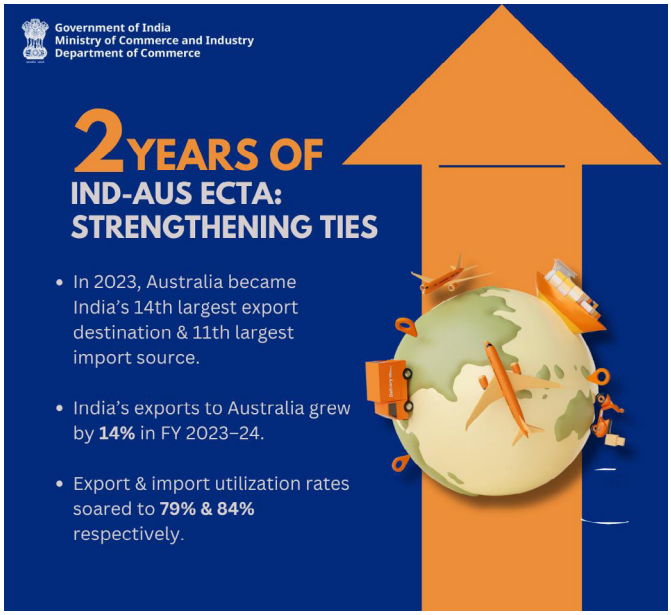

- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए) ने अपनी स्थापना के बाद से दो वर्षों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस समझौते के तहत द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2020-21 में 12.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022-23 में यह 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- हालांकि, 2023-24 में वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के कारण व्यापार में मामूली कमी आई है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात लगातार 14% बढ़ रहा है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक गतिविधियों पर समझौते के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

इस समझौते से किन क्षेत्रों को लाभ हुआ है?

- भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए ने कपड़ा, रसायन और कृषि जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, साथ ही हीरे जड़े सोने और टर्बोजेट जैसे नए उत्पादों के निर्यात में विविधता लाई है। ऑस्ट्रेलिया से धातु अयस्क, कपास और लकड़ी जैसे आवश्यक कच्चे माल की उपलब्धता ने भारत की औद्योगिक क्षमता को बढ़ावा दिया है। ये सभी विकास क्षेत्रीय व्यापार समझौते के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं।

समझौते के वर्तमान व्यापार आंकड़े क्या हैं?

- वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 24 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। अप्रैल से नवंबर 2024 तक यह आंकड़ा 16.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात 14% बढ़ा है। ये आंकड़े ईसीटीए की सफलता को दर्शाते हैं और भविष्य में व्यापार संबंधों को और मजबूत बनाने का संकेत देते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक साझेदारी का भविष्य क्या है?

- भविष्य की ओर देखते हुए, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 2030 तक 100 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का महत्वाकांक्षी व्यापार लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA) पर चल रही बातचीत का उद्देश्य आर्थिक एकीकरण को गहरा करना और द्विपक्षीय साझेदारी के दायरे को बढ़ाना है।
- व्यापार विकास, एमएसएमई और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों का विस्तार करके, दोनों देश ECTA की सफलता को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे आने वाले वर्षों में विकास को बढ़ावा मिलेगा।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम

संदर्भ: हाल ही में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम के लिए समर्थन व्यक्त किया हैं। ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अपने व्यवसायों में एच-1बी वीजा का उपयोग किया है।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम के बारे में:

- एच-1बी वीजा कार्यक्रम अमेरिकी नियोक्ताओं को विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में विदेशी कुशल श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति प्रदान करता है। इस वीजा के लिए आवेदक के पास आमतौर पर संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।
- यह कार्यक्रम अमेरिका में प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कुशल मानवशक्ति की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहां योग्य अमेरिकी नागरिकों की उपलब्धता सीमित होती है। विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान जैसे उच्च मांग वाले क्षेत्रों में यह कार्यक्रम प्रतिभा की कमी को दूर करने में सहायक सिद्ध हुआ है।

एच-1बी वीजा पर सीमा:

- अमेरिकी सरकार द्वारा प्रति वर्ष जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा की संख्या को एक निश्चित सीमा के भीतर सीमित किया गया है। वर्तमान में, यह सीमा 65,000 नए वीजा प्रति वर्ष निर्धारित की गई है।
- इसके अतिरिक्त, अमेरिकी विश्वविद्यालयों से स्नातकोत्तर डिग्री धारकों के लिए 20,000 अतिरिक्त वीजा आवंटित किए जाते हैं। हालांकि, विश्वविद्यालयों, गैर-लाभकारी अनुसंधान संगठनों और सरकारी अनुसंधान संस्थानों जैसी कुछ संस्थाएं इस सीमा से छूट प्राप्त हैं।
- यह सीमा अमेरिकी श्रम बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने और

साथ ही अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार के अवसरों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से निर्धारित की गई है। फिर भी, इस सीमित संख्या के कारण वीजा प्राप्त करने के लिए अत्यधिक प्रतिस्पर्धा देखी जाती है।

भारतीयों और एच-1बी वीजा कार्यक्रम के बारे में:

- एच-1बी वीजा धारकों में भारतीय नागरिकों का प्रभुत्व है। वित्त वर्ष 2023 में, स्वीकृत सभी एच-1बी वीजा में से 72% से अधिक भारतीय नागरिकों को प्राप्त हुए। यह प्रवृत्ति पिछले कुछ वर्षों से निरंतर बनी हुई है।
- भारतीय नागरिक मुख्यत: तकनीकी क्षेत्रों में कार्यरत हैं। यह उच्च अनुपात भारत में उपलब्ध विशाल प्रतिभा पूल और अमेरिका में तकनीकी विशेषज्ञों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। अधिकांश भारतीय एच-1बी वीजा धारक सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेवलपर और डेटा वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं।

ट्रंप के कार्यकाल के दौरान एच-1बी वीजा की संख्या में किस तरह से बदलाव आया?

- ट्रम्प प्रशासन के दौरान एच-1बी वीजा आवेदनों का स्वीकृति दर में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव देखा गया। प्रशासन के शुरुआती वर्षों में, वीजा आवेदनों की अस्वीकृति दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। 2016 में यह दर 6% थी जो 2018 तक बढ़कर 24% हो गई। यह वृद्धि प्रशासन की प्रतिबंधात्मक वीजा नीतियों का परिणाम थी।
- हालांकि, 2019 के बाद अस्वीकृति दर में लगातार कमी आई। कानूनी चुनौतियों के कारण कई अस्वीकृतियों को पलट दिया गया। 2021 तक यह दर घटकर 4% और 2022 तक 2% रह गई। यह परिवर्तन प्रशासन के बाद के वर्षों में वीजा नीतियों में आए बदलाव को दर्शाता है।

गुजरात में नये जिले का निर्माण

सन्दर्भ: हाल ही में गुजरात सरकार ने बनासकांठा जिले को विभाजित कर वाव-थराद नामक एक नया जिला बनाने का निर्णय लिया है। इस नए जिले का मुख्यालय थराद कस्बे में होगा। इस निर्णय से गुजरात में जिलों की कुल संख्या 34 हो गई है। यह कदम प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और स्थानीय जनता की सुविधा के लिए उठाया गया है।

भारत में नये जिले निर्माण की शक्ति किसके पास है?

- भारत में किसी नए जिले का गठन या मौजूदा जिले में परिवर्तन करने का अधिकार मुख्यत: राज्य सरकारों के पास निहित है। यह कार्यकारी आदेश या विधानसभा में कानून पारित करके किया जा सकता है। अधिकांश राज्य कार्यकारी आदेश के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरा करते हैं और इसके लिए राजपत्र में अधिसूचना जारी करते हैं।
- किसी नए जिले के गठन के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने से पहले, राज्य सरकार को कई केंद्रीय मंत्रालयों से अनुमति लेनी होती है। इनमें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, खुफिया ब्यूरो, डाक विभाग, भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण और रेल मंत्रालय शामिल हैं। ये मंत्रालय राज्य सरकार के प्रस्ताव की समीक्षा करते हैं और यदि सब कुछ उचित पाया जाता है, तो अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करते हैं।

केन्द्र सरकार की भूमिका:

- नए जिलों के निर्माण में केंद्र सरकार की सीधी भूमिका सीमित है। हालांकि, कुछ विशिष्ट मामलों में, केंद्र सरकार की सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे कि किसी जिले या रेलवे स्टेशन का नाम बदलना। ऐसे मामलों में, गृह मंत्रालय से परामर्श किया जाता है।

नये जिले के निर्माण के पीछे तर्क:

- राज्यों का तर्क है कि छोटे जिले बेहतर प्रशासन, ज्यादा कुशल शासन और सरकारी योजनाओं और सेवाओं तक बेहतर पहुँच प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, 2016 में, असम ने शासन को सुव्यवस्थित करने के लिए 'प्रशासनिक सुविधा' के लिए माजुली उप-विभाग को जिले

में अपग्रेड किया।

- 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में 593 जिले थे। 2001 से 2011 के बीच, विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा 46 नए जिले बनाए गए। प्रशासनिक दक्षता में सुधार पर राज्यों के ध्यान के कारण जिला निर्माण का यह चलन जारी है।

यूडीआईएसई+ रिपोर्ट

सन्दर्भ: हाल ही में शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी यूडीआईएसई+ (शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस) रिपोर्ट (2023-24) ने पूरे भारत में स्कूल नामांकन में चिंताजनक गिरावट के कारण ध्यान आकर्षित किया है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

- **नामांकन में गिरावट:** रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में स्कूलों में नामांकित छात्रों की संख्या में 37 लाख की कमी आई है। पिछले वर्ष की तुलना में यह संख्या घटकर 24.80 करोड़ हो गई है, जो कि 2022-23 में 25.17 करोड़ थी। इस गिरावट में लड़कों की संख्या में 21 लाख और लड़कियों की संख्या में 16 लाख की कमी शामिल है।
- **अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व:** कुल नामांकन में अल्पसंख्यक छात्रों का लगभग 20% योगदान है। इनमें से अधिकांश मुस्लिम (79.6%) हैं, इसके बाद ईसाई (10%), सिख (6.9%), बौद्ध (2.2%), जैन (1.3%) और पारसी (0.1%) हैं।
- **सामाजिक श्रेणी नामांकन:** सामाजिक श्रेणी के अनुसार, नामांकन डेटा दर्शाता है कि 26.9% छात्र सामान्य श्रेणी, 18% अनुसूचित जाति, 9.9% अनुसूचित जनजाति और 45.2% अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं।
- **स्कूलों की स्थिति:** रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में छात्रों की तुलना में स्कूलों का प्रतिशत अधिक है, जिसके कारण उपलब्ध स्कूलों का कम उपयोग हो रहा है। इसके विपरीत, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और दिल्ली जैसे राज्यों में स्कूलों की कम उपलब्धता की समस्या है, जिसके परिणामस्वरूप स्कूलों में भीड़भाड़ है और बुनियादी ढांचे पर अधिक दबाव है।
- **आधार एकीकरण:** 2023-24 तक,19.7 करोड़ से अधिक छात्रों ने एक विशिष्ट छात्र पहचान (Unique Student Identifier) बनाने के प्रयास के तहत स्वेच्छा से अपने आधार नंबर प्रदान किये। यह पहल छात्र की आवाजाही को ट्रैक करने में मदद करती है, बेहतर संसाधन आवंटन सुनिश्चित करती है और फर्जी प्रविष्टियों को कम करती है, जिससे शैक्षिक डेटा की सटीकता बढ़ सकती है और लाभ हस्तांतरण को सुव्यवस्थित किया जा सकता है।

2018-19 से 2023-24 तक नामांकन में सबसे अधिक गिरावट वाले राज्य:

- **बिहार:** 35.65 लाख छात्रों की कमी (2.49 करोड़ से 2.13 करोड़)।
- **उत्तर प्रदेश:** 28.26 लाख छात्रों की कमी (4.44 करोड़ से 4.16 करोड़)।
- **महाराष्ट्र:** 18.55 लाख छात्रों की कमी (2.32 करोड़ से 2.13 करोड़)।

सत्यमेव जयते | UDISE+

Unified Digital Information on School Education

रिपोर्ट द्वारा दिए गए सुझाव:

- **ड्रॉपआउट पर नजर रखना:** लक्षित कार्रवाई करने के लिए व्यक्तिगत डेटा के माध्यम से छात्र ड्रॉपआउट की पहचान करना और उन पर नजर रखना तथा 2030 तक ड्रॉपआउट को कम करने और सार्वभौमिक शिक्षा सुनिश्चित करने के NEP 2020 के लक्ष्य के साथ संरेखित करना।
- **स्कूल बुनियादी ढांचे का अनुकूलन:** अधिक बुनियादी ढांचे वाले राज्यों में स्कूलों का बेहतर उपयोग और बुनियादी ढांचे की कमी वाले राज्यों में स्कूलों की उपलब्धता बढ़ाना ताकि बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा किया जा सके।
- **शिक्षकों की उपलब्धता और गुणवत्ता में सुधार:** शिक्षण की गुणवत्ता और छात्र परिणामों में सुधार के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों को बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षक की उपलब्धता और प्रशिक्षण में अंतराल को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना।
- **हाशिए पर पड़े समुदायों पर ध्यान केंद्रित करें:** अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए लक्षित कार्यक्रमों को लागू करना, छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन और सामुदायिक पहुंच के माध्यम से प्रणालीगत बाधाओं को दूर करना।
- **बेहतर डेटा के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना:** डेटा-संचालित नीतिगत निर्णयों के लिए UDISE+ से छात्र-वार डेटा का उपयोग करना, बेहतर प्रशासन और शैक्षिक नीतियों के लिए वास्तविक समय, सटीक डेटा सुनिश्चित करना।

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

1- 2 January 2025

पॉवर पैक्ड न्यूज

विश्व मुक्केबाजी ने नई एशियाई संस्था बनाई

- विश्व मुक्केबाजी ने नई एशियाई संस्था का गठन किया, जिसमें एशियाई मुक्केबाजी के विकास और विस्तार के लिए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के सात प्रमुख पद होंगे। अजय सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बीएफआई के महासचिव सहित प्रमुख आयोगों में भारतीय अधिकारियों का प्रतिनिधित्व होगा।
- लवलीना बोरगोहेन एथलीट आयोग का हिस्सा होंगी और नरेंद्र कुमार निरवान संविधान आयोग में कार्य करेंगे। डी पी भट्ट नवगठित खेल और प्रतिस्पर्धा आयोग का हिस्सा होंगे। यह नई संस्था एशियाई मुक्केबाजी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बोस्निया के 'बाल्कन ब्लूज' को यूनेस्को द्वारा मान्यता दी गई

- बोस्निया और हर्जेगोविना के पारंपरिक प्रेम गीत सेवडालिंका को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में शामिल किया गया है।
- इसे अक्सर 'बाल्कन ब्लूज' कहा जाता है। यह 16वीं शताब्दी का एक उदास शहरी प्रेम गीत है जिसमें दक्षिण स्लाव लोगों की मौखिक कविता और ओटोमन संगीत का संयोजन होता है।
- सेवडालिंका प्रदर्शनों में पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग किया जाता है और इसे पीढ़ी दर पीढ़ी प्रदर्शनों के माध्यम से साझा किया गया है।
- इमामोविच की सेवडाहलैब पहल ने इसे यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिए समर्थन जुटाया है।

काम्या कार्तिकेयन बनीं सबसे कम उम्र की महिला पर्वतारोही

- काम्या कार्तिकेयन, 17 वर्षीय, मुंबई के नेवी चिल्ड्रन स्कूल की छात्रा हैं और सात महाद्वीपों की सबसे ऊँची चोटियों पर चढ़ने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।
- उन्होंने माउंट किलिमंजारो, माउंट एल्ब्रस, माउंट कोसियसजको, माउंट एकॉनकागुआ, माउंट डेनाली, माउंट एवरेस्ट और अंटार्कटिका में माउंट विंसेंट की चढ़ाई की है।
- 24 दिसंबर को उन्होंने और उनके पिता ने माउंट विंसेंट की चोटी पर पहुँचकर सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया।
- काम्या ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करते समय 16 साल की उम्र में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार भी जीता था।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का निधन

- पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 29 दिसंबर 2024 को 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें उनके मानवीय कार्यों के लिए 2002 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला था।
- वे जॉर्जिया के मूंगफली किसान से राष्ट्रपति बने थे और 1977 में अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति बने।
- उन्होंने मौजूदा रिपब्लिकन राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड को 1976 के चुनाव में हराया था।
- उनकी पुस्तक 'फिलिस्तीन: पीस नॉट अपारथाइड' 2007 में और 'फेथ: ए जर्नी फॉर ऑल' 2018 में प्रकाशित हुई थी।

एआईसीटीई और एनक्यूएम ने लॉन्च किया यूजी माइनर प्रोग्राम

- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (NQM) ने संयुक्त रूप से क्वांटम प्रौद्योगिकियों में भारत का पहला स्नातक माइनर प्रोग्राम लॉन्च किया।
- इसका उद्देश्य क्वांटम कंप्यूटिंग और संबंधित प्रौद्योगिकियों के लिए एक कुशल कार्यबल का निर्माण करना है। इसमें क्वांटम मैकेनिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम एल्गोरिदम और क्वांटम क्रिप्टोग्राफी जैसे विषय शामिल होंगे।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- एआईसीटीई ने प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर इस पाठ्यक्रम को डिजाइन और लागू किया है।

मध्य प्रदेश से बाघों का स्थानांतरण

- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत 14 बाघों को राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में स्थानांतरित किया जाएगा।
- चार बाघ राजस्थान, दो ओडिशा और आठ छत्तीसगढ़ में भेजे जाएंगे। इन बाघों को बांधवगढ़, पन्ना, कान्हा और पेंच बाघ अभयारण्यों से स्थानांतरित किया जाएगा।
- हाल ही में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से दो बंगाल बाघ गुजरात को प्रदान किए गए थे। इसके बदले में मध्य प्रदेश को सक्करबाग प्राणी उद्यान से दो एशियाई शेर मिले हैं।

दक्षिण कोरिया की संसद ने कार्यवाहक राष्ट्रपति हान पर महाभियोग लगाया

- दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली ने 27 दिसंबर को कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डुक-सू पर महाभियोग चलाने के लिए मतदान किया।
- यह निर्णय राष्ट्रपति यूं सुक-योल से पदभार ग्रहण करने के दो सप्ताह से भी कम समय बाद लिया गया। महाभियोग प्रस्ताव 192-0 के मत से सर्वसम्मति से पारित हुआ।
- हान पर मार्शल लॉ लागू करने में विफल रहने के लिए महाभियोग लगाया गया था। उप प्रधानमंत्री चोई सांग-मोक ने कार्यवाहक राष्ट्रपति और कार्यवाहक प्रधानमंत्री दोनों के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

गुजरात सरकार ने लॉन्च किया 'स्वर' प्लेटफॉर्म

- गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'स्वर' (भाषण और लिखित विश्लेषण संसाधन) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।
- यह प्लेटफॉर्म भाषा की बाधाओं को दूर करने में मदद करेगा और स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम भाषिणी का उपयोग करता है।
- अब नागरिक टाइप करने के बजाय अपने संदेश बोलकर लिख सकते हैं। यह तकनीकी उन्नति राज्य सरकार को शिकायत निवारण और प्रतिक्रिया तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करेगी।
- 'स्वर' प्लेटफॉर्म मुख्यमंत्री कार्यालय का समर्थन उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग क्षमताओं के साथ करेगा।

सूर्य किरण सैन्य अभ्यास का 18वां संस्करण

- संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण का 18वां संस्करण नेपाल के सालझंडी में आरंभ हुआ। यह अभ्यास 31 दिसंबर 2024 से 13 जनवरी 2025 तक चलेगा।
- इसमें 334 कर्मियों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी भाग लेगी। इस अभ्यास का उद्देश्य जंगल युद्ध, पहाड़ों में आतंकवाद विरोधी अभियानों और मानवीय सहायता और आपदा राहत में अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है।
- यह अभ्यास भारत और नेपाल के बीच मित्रता, विश्वास और साझा सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार समझौते की सफलता

- भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) ने दो साल पूरे कर लिए हैं, जिसने व्यापार संबंधों को बढ़ाया और नए अवसर पैदा किए हैं।
- द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 12 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 26 बिलियन डॉलर हो गया है।
- 2023-24 में कुल व्यापार 24 बिलियन तक पहुँच गया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात 14 प्रतिशत बढ़ा। कपड़ा, रसायन और कृषि क्षेत्रों ने पर्याप्त वृद्धि दिखाई है। आवश्यक कच्चे माल के आयात ने भारत के उद्योगों का समर्थन किया है।

पुडुचेरी में महिला मतदाताओं का प्रतिशत उच्चतम

- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान पुडुचेरी में महिला मतदाताओं का प्रतिशत देश में सबसे

अधिक था।

- पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, 10,23,699 मतदाताओं में से 5,42,979 महिलाएँ हैं। माहे विधानसभा क्षेत्र ने प्रशिक्षित महिला अधिकारियों की तैनाती के साथ इतिहास रचा।
- लिंग अनुपात में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2023 में 1127 से बढ़कर 2024 में 1130 हो गया है।
- पंजीकृत मतदाताओं में 5.19% की वृद्धि देखी गई और ट्रांसजेंडर मतदाताओं में लगभग 70% ने मतदान किया।

जसप्रीत बुमराह: सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय

- भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिखा है। उन्होंने 200 टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बनने का गौरव प्राप्त किया। यह उपलब्धि उन्होंने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान हासिल की।
- बुमराह ने 8484वीं वैध गेंद पर यह मुकाम हासिल कर मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 9896 गेंदों में यह उपलब्धि पाई थी।
- विश्व स्तर पर, बुमराह चौथे सबसे तेज गेंदबाज हैं, जिनसे पहले वकार यूनिस (7725 गेंद), डेल स्टेन (7848 गेंद) और कैगिसो रबाडा (8154 गेंद) का स्थान है। उनके इस अद्वितीय प्रदर्शन ने भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया है।
- बुमराह की काबिलियत और उनके अनूठे गेंदबाजी एक्शन ने उन्हें क्रिकेट जगत में खास पहचान दिलाई है।

डॉ. संदीप शाह: एनएबीएल के नए अध्यक्ष

- डॉ. संदीप शाह को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के संयुक्त प्रबंध निदेशक के रूप में विख्यात डॉ. शाह इससे पहले मेडिकल लैब्स प्रत्यायन सुधार समिति (एमएलएआईसी) के अध्यक्ष थे।
- एनएबीएल, जिसे 1988 में स्थापित किया गया था, भारत में प्रयोगशालाओं और अनुरूपता निकायों को मान्यता प्रदान करता है। इसका मुख्यालय गुरुग्राम में है और यह भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के अंतर्गत कार्य करता है। क्यूसीआई, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत स्थापित एक स्वायत्त निकाय है।
- डॉ. शाह की नई भूमिका में, उनकी प्राथमिकता प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार करना होगी। एनएबीएल हर वर्ष 9 जून को विश्व प्रत्यायन दिवस मनाता है, जो डॉ. शाह के नेतृत्व में और अधिक प्रभावशाली हो सकता है।

आईआईटी बॉम्बे की सुई रहित शॉक सिरिंज

- आईआईटी बॉम्बे ने दर्द रहित टीकाकरण के लिए एक सुई रहित शॉक सिरिंज विकसित की है। यह नई तकनीक चूहों पर परीक्षण के दौरान पारंपरिक सुइयों से अधिक प्रभावी पाई गई। यह शॉकवेव-आधारित सिरिंज त्वचा को बिना छेदे तरल दवाओं का माइक्रोजेट त्वचा में प्रविष्ट कराती है।
- सिरिंज में उच्च-ऊर्जा शॉकवेव का उपयोग किया जाता है, जो दवा को माइक्रोजेट के रूप में त्वचा में प्रवेश कराता है। इस प्रक्रिया की गति एक वाणिज्यिक हवाई जहाज की टेकऑफ गति से भी दोगुनी है। यह तकनीक न केवल दर्द रहित है, बल्कि संक्रमण के जोखिम को भी कम करती है।
- इस अभिनव उपकरण से टीकाकरण अभियानों में क्रांति आने की उम्मीद है। यह तकनीक सुई से जुड़ी चिंताओं और डर को खत्म करते हुए टीकाकरण को और सुलभ बना सकती है।

विवाद से विश्वास योजना की समय सीमा बढ़ी

- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने विवाद से विश्वास योजना की समयसीमा 31 जनवरी, 2025 तक बढ़ा दी है। पहले यह योजना 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त होने वाली थी। विस्तार से करदाताओं को अपनी घोषणाएँ दाखिल करने और विवाद निपटाने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।
- यह योजना 2024 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित की गई थी। इसका उद्देश्य करदाताओं को आयकर विभाग के साथ लंबित विवादों को सुलझाने का अवसर देना है। करदाताओं को विवादित राशि और निर्धारित प्रतिशत का भुगतान करके अपनी देनदारियों का निपटारा करने की अनुमति दी जाती है।
- 1 फरवरी, 2025 से योजना के लिए आवेदन करने वालों को संशोधित दर के अनुसार अतिरिक्त शुल्क देना होगा। योजना का उद्देश्य कर विवादों को शीघ्र सुलझाना और आयकर प्रक्रिया को सरल बनाना है।